कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–3

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ग) सोवियत संघ का विघटन
2. (ख) नवस्वतंत्र एशियाई-अफ्रीकी देशों से
3. (घ) सामूहिक सुरक्षा संधि
4. (ग) 1949 में
5. (ग) राष्ट्रपति
6. (ख) एकल नागरिकता
7. (ख) पंचायतों से
8. (ग) लोकसभा के प्रति
9. (ख) 1985
10. (ग) 1989 के बाद
11. (ख) क्षेत्रीय पहचान से
12. (ग) स्थायी सदस्यों को
13. (ग) विदेश नीति से
14. (ग) 1993
15. (ग) स्वतंत्र संवैधानिक संस्था
16. (ग) 42वें संशोधन से
17. (ख) सामाजिक-आर्थिक न्याय
18. (ग) एक मत
19. (ग) एशिया-प्रशांत क्षेत्र से
20. (ग) चुनाव

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था क्या है?

जब विश्व राजनीति में एक ही महाशक्ति का प्रभुत्व हो, उसे एकध्रुवीय व्यवस्था कहते हैं।

22. गुटनिरपेक्ष आंदोलन का एक संस्थापक देश

भारत।

23. नाटो का पूर्ण रूप

North Atlantic Treaty Organization।

24. संघीय सूची से क्या तात्पर्य है?

वे विषय जिन पर केवल केंद्र सरकार कानून बनाती है।

25. राष्ट्रपति शासन कब लगाया जाता है?

जब राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाए।

26. गठबंधन राजनीति क्या है?

जब कई दल मिलकर सरकार बनाते हैं।

27. क्षेत्रीय दल का उदाहरण

समाजवादी पार्टी।

28. मौलिक अधिकारों का एक उद्देश्य

नागरिकों की स्वतंत्रता की रक्षा।

29. संयुक्त राष्ट्र का एक प्रमुख अंग

सुरक्षा परिषद।

30. लोकतंत्र का अर्थ

जनता द्वारा, जनता के लिए, जनता की सरकार।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध के दो प्रमुख परिणाम

1. विश्व दो गुटों में विभाजित हो गया।

2. परमाणु हथियारों की होड़ बढ़ी।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन के दो सिद्धांत

1. सैन्य गुटों से दूरी।
2. शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का समर्थन।

33. भारतीय संघवाद में राज्यों की दो शक्तियाँ

1. राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाना।
2. राज्य सरकार का गठन एवं प्रशासन चलाना।

34. गठबंधन सरकार बनने के दो कारण

1. किसी एक दल को बहुमत न मिलना।
2. क्षेत्रीय दलों का उदय।

35. क्षेत्रीय दलों के उदय के दो प्रभाव

1. संघीय ढांचे को मजबूती।
2. राष्ट्रीय राजनीति में क्षेत्रीय मुद्दों का महत्व।

36. संयुक्त राष्ट्र महासचिव की भूमिका

महासचिव संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख प्रशासक होता है। वह शांति प्रयासों में मध्यस्थता करता है और संगठन के कार्यों का संचालन करता है।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में परिवर्तन

शीत युद्ध के बाद विश्व एकध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ा। अमेरिका प्रमुख शक्ति बना। वैश्वीकरण को बढ़ावा मिला। अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका बढ़ी और आर्थिक सहयोग में वृद्धि हुई।

38. भारतीय संघवाद में केंद्र-राज्य संबंध

भारत में केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन संविधान द्वारा निर्धारित है। सामान्य समय में राज्य स्वतंत्र हैं, परंतु आपातकाल में केंद्र की शक्ति बढ़ जाती है। वित्तीय संबंध भी वित्त आयोग द्वारा नियंत्रित होते हैं।

39. गठबंधन सरकारों के लाभ और हानियाँ

लाभ – व्यापक प्रतिनिधित्व, तानाशाही की संभावना कम।
हानियाँ – नीतिगत असहमति, अस्थिरता का खतरा।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन

संयुक्त राष्ट्र ने विश्व शांति, मानवाधिकार और विकास में योगदान दिया है। परंतु वीटो अधिकार के कारण कई बार निर्णय प्रभावित होते हैं। बड़े देशों का प्रभाव अधिक रहता है।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्देश्य और वर्तमान प्रासंगिकता

✦ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

शीत युद्ध के दौरान नवस्वतंत्र देशों ने किसी भी शक्ति गुट में शामिल न होने का निर्णय लिया। 1961 में बेलग्रेड सम्मेलन में इसका औपचारिक गठन हुआ।

✦ उद्देश्य

1. उपनिवेशवाद का विरोध।
2. विश्व शांति बनाए रखना।
3. स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना।

✦ वर्तमान प्रासंगिकता

आज भी विकासशील देशों के लिए यह मंच महत्वपूर्ण है। वैश्विक असमानता, पर्यावरण संकट और शांति स्थापना में इसकी भूमिका बनी हुई है।

42. भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका

राजनीतिक दल लोकतंत्र की आधारशिला हैं। वे चुनाव लड़ते हैं, सरकार बनाते हैं और नीतियाँ निर्धारित करते हैं। जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

सकारात्मक पक्ष – प्रतिनिधित्व, नीति निर्माण, लोकतांत्रिक भागीदारी।
नकारात्मक पक्ष – दल-बदल, भ्रष्टाचार, जातीय राजनीति।

निष्कर्षतः, राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए अनिवार्य हैं, परंतु पारदर्शिता और सुधार आवश्यक हैं।